अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती
(स्वायत्त)

चार वर्षीय बी.ए. (हिंदी) डिग्री प्रोग्राम

(कला संकाय)

टी.वाय.बी.ए. (हिंदी) सेमेस्टर-V

2023 पैटर्न (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020)

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2025-26)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)
(एनईपी 2020 के अनुसार)
शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से लागू किया जायेगा
कार्यक्रम का शीर्षक: तृतीय वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2025 से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडळ ने एस.वाय.बी.ए.(हिंदी) के तृतीय सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं-शिवं-सुंदरं की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Outcomes (POs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार बी.ए. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम परिणाम।

प्रभावी शैक्षणिक वर्ष 2025-2026

PO1	**आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking)** : स्नातक ज्ञान के एक समूह में विश्लेषणात्मक विचार को लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नीतियों और प्रथाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के साथसाथ साक्ष्य-, तर्क, दावे, विश्वास और साक्ष्य की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता शामिल है। स्नातक समान वस्तुओं या परिदृश्यों के बारे में अलगअलग और विविध तरीकों से बनाने-, प्रदर्शन करने या सोचने, समस्याओं और स्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO2	**संचार कौशल (Communication Skill):** स्नातक उन कौशलों का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो उन्हें सक्षम बनाते हैंध्यान से सुनना :, ग्रंथों और शोध पत्रों को विश्लेषणात्मक रूप से पढ़ना और जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से विभिन्न समूहोंदर्शकों के सामने प्रस्तुत करना/, विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से व्यक्त करना। और उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, आत्मविश्वास से विचार साझा करें और खुद को अभिव्यक्त करें।
PO3	**बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence)** : स्नातकों को कई संस्कृतियों के मूल्यों और विश्वासों का ज्ञान प्राप्त होगा और विविधता का सम्मान करने के लिए एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, एक बहुसांस्कृतिक समूहसमाज में प्रभावी ढंग से जुड़ने और विविध समूहों के साथ सम्मानपूर्वक बातचीत करने / की क्षमता होगी।
PO4	**अनुसंधान कौशल (Research Skills)** : स्नातक अवलोकन, पूछताछ की गहरी समझ और प्रासंगिकउचित प्रश्न पूछने की क्षमता/, समस्याओं को हल करने, संश्लेषित करने और मुद्दों को स्पष्ट करने और अनुसंधान प्रस्तावों को डिजाइन करने की क्षमता, समस्याओं को परिभाषित करने की क्षमता, उपयुक्त तैयार करने में सक्षम होंगे। प्रासंगिक शोध प्रश्न, परिकल्पना तैयार करना, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण करना, परिकल्पना स्थापित करना, डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर अनुमान लगाना और कारणप्रभाव संबंधों की भविष्यवाणी करना-और-।
PO5	**पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness)** : स्नातकों को उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को प्राप्त करने और लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिएपर्यावरणीय गिरावट :, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के प्रभावों को कम करना, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक विविधता का संरक्षण, जैविक संसाधनों और जैव विविधता का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनयापन।
PO6	**समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities)** :स्नातक नवीन और अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक चुनौतियों को पहचानने और संबोधित करने में कुशल होंगे।

PO7	**सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork)** :स्नातक विविध टीमों के साथ प्रभावी ढंग से और सम्मानपूर्वक काम करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, एक समूह की ओर से सहकारी या समन्वित प्रयास की सुविधा प्रदान करेंगे, एक सामान्य कारण के हित में एक समूह या टीम के रूप में मिलकर कार्य करेंगे और एक टीम के सदस्य के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करें।
PO8	**मूल्य समावेशन (Value inculcation) :** स्नातक ज्ञान और दृष्टिकोण के अधिग्रहण का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो जीवन में संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाने और अभ्यास करने के लिए आवश्यक हैं, जिसमें सत्य, धार्मिक आचरण, शांति, प्रेम, अहिंसा के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य शामिल हैं। , वैज्ञानिक स्वभाव, नागरिकता मूल्य, समसामयिक वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता का अभ्यास करना, शिक्षार्थियों को वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूक होने और समझने और अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और टिकाऊ समाज के सक्रिय प्रवर्तक बनने में सक्षम बनाना आवश्यक है।
PO9	**डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :** स्नातक विभिन्न प्रकार की सीखने और कार्य स्थितियों में आईसीटी का उपयोग करने, विभिन्न प्रासंगिक सूचना स्रोतों तक पहुंच, मूल्यांकन और उपयोग करने और डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO10	**सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :** स्नातक समाज की भलाई को बढ़ावा देने के लिए समुदाय से जुड़ी सेवाओंकरने में सक्षम गतिविधियों में भाग लेने की क्षमता प्रदर्शित/ होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावसायिक पक्षों को भी जाना जा सकेगा।

PSO3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका और उससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4. छात्र हिंदी भाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत व्याकरणिक रूप को जान सकेंगे।

PSO5. व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर रोजगार के लिए आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा।

PSO6. साहित्य की कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO7. साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

PSO8. लेखन के माध्यम से छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

PSO9. छात्रों में मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

PSO10. छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे।

PSO11. सोशल मीडिया के माध्यमों से छात्र परिचित होंगे, जिससे लेखन, निवेदन कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार का सुअवसर प्रदान होगा।

PSO13. छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का बढ़ते महत्व से परिचित होंगे।

PSO14. छात्र लघु फिल्म का लेखन और निर्माण कर सकेंगे ।

PSO15. हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

PSO16. छात्र निवेदन कौशल के माध्यम से आकाशवाणी, दूरदर्शन पर रोजगार के सुअवसर प्राप्त कर पाएंगे ।

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2025-26 से 2027-28 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	प्रो.(डॉ.) सुनील बनसोडे	सदस्य
3.	डॉ. बनसिंग भोई	सदस्य
4.	प्रो.(डॉ.) राजेंद्र खैरनार	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
5.	प्रो.(डॉ.) नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
6.	प्रो.(डॉ.) गोरख बनसोडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
7.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
8.	प्रा. अच्युत शिंदे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
9.	श्री. स्वप्रिल गावडे	छात्र प्रतिनिधि (स्नातक)
10.	कु. ईश्वरी कुलकर्णी	छात्र प्रतिनिधि (स्नातकोत्तर)

Illustrative Credit distribution structure for three/ four year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options

Level	Semester	Major		Minor	OE	VSC, SEC (VSEC)	AEC, VEC, IKS	OJT, FP, CEP, CC, RP	Cum. Cr./ Sem.	Degree/ Cum. Cr.
		Mandatory	Electives							
4.5	I	4-6 (4+2)		-	2+2	VSC:2, SEC:2	AEC:2, VEC:2,IKS:2	CC:2	20-22	UG Certificate 40-44
	II	4-6 (4+2)		2	2+2	VSC:2, SEC:2	AEC:2, VEC:2	CC:2	20-22	
	Cum Cr.	8-12		2	8	4+4	4+4+2	4	40-44	
Exit option: Award of UG Certificate in Major with 40-44 credits and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor										
5.0	III	6(4+2)-8(2*4)		4	2	VSC:2	AEC:2	FP:2 CC:2	20-22	UG Diploma 80-88
	IV	6(4+2)-8(2*4)		4	2	SEC:2	AEC:2	CEP: 2 CC:2	20-22	
	Cum Cr.	20-28		10	12	6+6	8+4+2	8+4	80-88	
Exit option: Award of UG Diploma in Major and Minor with 80-88 credits and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor										
5.5	V	8(2*4)-10 (2*4 +2)	4	4-6		VSC: 2-4		FP/CEP: 2	20-22	UG Degree 120-132
	VI	8(2*4)-10 (2*4 +2)	4	4				OJT: 4	20-22	
	Cum Cr.	36-48	8	18-20	12	8-10 +6	8+4+2	8+6+4	120-132	
Exit option: Award of UG Degree in Major with 120-132 credits OR Continue with Major and Minor										
.0	VII	12-14 (2*4 +2*2 or 3*4+2)	4	RM:4					20-22	UG Honours Degree 160-176
	VIII	12-14 (2*4 +2*2 or 3*4+2)	4					OJT:4	20-22	
	Cum Cr.	60-76	16	18-20 +4	12	8-10 +6	8+4+2	8+6+8	160-176	
Four Year UG Honours Degree in Major and Minor with 160-176 credits										
6.0	VII	8-10 (2*4 +2 or 2*4)	4	RM:4				RP: 4	20-22	UG Honours with Research Degree
	VIII	8-10 (2*4 +2 or 2*4)	4					RP: 8	20-22	160-176
	Cum Cr.	52-68	16	18-20 +4	12	8-10 +6	8+4+2	8+6+4+12	160-176	
Four Year UG Honours with Research Degree in Major and Minor with 160-176 credits										

Credit Distribution Structure for T.Y.B.A.(Hindi)- 2023 Pattern 2025-2026

Level	Semester	Major Mandatory	Major Electives	Minor	OE	VSC, SEC, (VSEC)	AEC, VEC, IKS	OJT, FP, CEP, CC, RP	Cum. Cr / Sem	Degree/Cum.Cr.
4.5	V	HIN-301-MJM हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि,भक्ति एवं रीति) (4 credits)	HIN-304-MJE(A) जनसंचार माध्यम (4credits)	HIN-311-MN साहित्य तरंग (4 credits)	--	HIN-321-VSC वृत्तांत लेखन (2 credits)	--	HIN-235-CEP HIN-235-FP	22	UG Certificate 44 credits
		HIN -302-MJM हिंदी भाषा का विकास) (4 credits)	HIN-304-MJE(B) पत्रकारिता (4credits)							
		HIN-303-MJM हिंदी साहित्य और सिनेमा (2 credits)								
	VI	HIN-351-MJM हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (4 credits)	HIN-354-MJE(A) व्यंग्य साहित्य (4credits)	HIN-361-MN साहित्य लहरी (4 credits)	-	-	-	HIN-358-OJT	22	
		HIN-352-MJM भाषा विज्ञान (4 credits)	HIN-354-MJE(B) निबंध साहित्य (4credits)							
		HIN-353-MJM नटकथा लेखन (2 credits)								
	Cum Cr.	20	08	08	-	02	-	06	44	

Course Structure for T.Y.B.A.,Hindi2023 Pattern (2020 NEP Pattern)2025-26

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	HIN-301-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-302-MJM	हिंदी भाषा का विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-303-MJM	हिंदी साहित्य और सिनेमा	Theory	02
	Minor Elective(MJE)	HIN-304-MJE(A)	जनसंचार माध्यम	Theory (Any One)	04
	Minor Elective(MJE)	HIN-304-MJE(B)	पत्रकारिता		
	Minor	HIN-311-MN	साहित्य तरंग	Theory	04
	Vocational Skill Course (VSC)	HIN-321-VSC	वृतांत लेखन	Theory	02
	Community Engagement Project (CEP) Field Project	HIN-235-CEP HIN-235-FP		Practical	02
	Total Credits Semester-V				22
IV	Major (Mandatory)	HIN-351-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-352-MJM	भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-353-MJM	पटकथा लेखन	Theory	02
	Minor Elective(MJE)	HIN-354-MJE(A)	व्यंग्य साहित्य	Theory (Any One)	04
	Minor Elective(MJE)	HIN-354-MJE(B)	निबंध साहित्य		
	Minor	HIN-361-MN	साहित्य लहरी	Theory	04
	On Job Training (OJT)	HIN-358-OJT		Practical	04
	Total Credits Semester-VI				22
	Cumulative Credits Semester V + Semester-VI				44

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – V

Major – हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

PAPER CODE : HIN-301-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)
Course Code	: HIN-301-MJM
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Objectives):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा से अवगत करना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों के नामकरण एवं पृष्ठभूमि का परिचय देना।
3. छात्रों द्वारा साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर स्वाध्याय एवं आलेख लेखन करना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर वस्तुनिष्ठ एवं लघुतरी प्रश्न।
5. हिंदी साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं और रचनाकारों का महत्त्व, विकासक्रम, साहित्य के परिवर्तनों के कारण तथा परवर्ती प्रभाव विशद करना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से साहित्य और युगजीवन का संबंध विशद करना।
7. आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रों को अवगत कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

CO1-हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय होगा।

CO2-इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थिति से छात्र अवगत होंगे।

CO3-इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होगी।

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ हिंदी के विद्वान आदि का परिचय देकर छात्रों में शोधार्थी की दृष्टि विकसित होगी।

CO5-इतिहास ही पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होंगी।

CO6-इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि का परिचय देकर छात्रों में ज्ञानवर्धन होगा।

CO7-आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों केबदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रपरिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति -

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर छात्रों द्वारा स्वाध्याय एवं आलेख लेखन।
3. हिंदी पत्रपत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्येतिहास की सामग्री छात्रों द्वारा संकलित करना।-
4. दृक संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग। / श्राव्य माध्यमों-
5. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

इकाई नं.1 : 1.हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण — 20 तासिकाएं

2.आदिकाल-

i) आदिकाल की पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक।

ii) आदिकालीन वीरगाथा तथा रासो साहित्य की प्रवृत्तियाँ।

iii) आदिकालीन रचनाकारों का परिचय चंदबरदाई, अमीर खुसरो

iv) आदिकालीन रचनाओं का परिचय खुमान रासो, बीसलदेव रासो

इकाई नं. 2 : 3.भक्तिकाल -(पूर्व मध्यकाल) — 20 तासिकाएं

i) भक्तिकाल की पृष्ठभूमि संक्षेप में - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक।

ii) निर्गुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ - ज्ञानाश्रयी शाखा तथा प्रेमाश्रयी शाखा ।

iii) सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ– रामभक्ति शाखा तथा कृष्णभक्ति शाखा।

iv) निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षेप में परिचय -

कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रहीम।

v) निम्नलिखित रचनाओं का संक्षेप में परिचय –

पदमावत, भ्रमरगीत, रामचरितमानस ।

इकाई नं.3 : 4. रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) — 20 तासिकाएं

i) रीतिकाल की पृष्ठभूमि संक्षेप में - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक ।

ii) रीतिकाल का नामकरण

iii) रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ।

iv) रीतिकालीन रचनाकारों का संक्षेप में परिचय - केशवदास, बिहारी, घनानंद।

v) रीतिकालीन रचनाओंका संक्षेप में परिचय -शिवाबावनी, बिहारी सतसई।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास संपादक डॉ.नगेंद्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ– डॉ. गोविंदराम शर्मा
6. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ- डॉ जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहासडॉ. राजनाथ शर्मा
9. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास-बाबू गुलाबराय
10. हिंदी साहित्य कादूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयपाल सिंह
12. हिंदी साहित्य काइतिहास – डॉ. श्रीनिवास शर्मा

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem -V) Subject: HINDI

Course: Theory Course Code.: HIN-301-MJM

Tittle of Course :हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि,भक्ति एवं रीतिकाल)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1		3								
CO 2				3						
CO 3						3	2			
CO 4	3		2					3		
CO 5						2				
CO 6					3					
CO 7						3				

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल:

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ, हिंदी के विद्वान आदि के परिचय से छात्रों में शोध की दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO1-हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्र भारतीय संस्कृति से परिचित होकर उनका नैतिक विकास होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO4 -छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावनां विकसित होगी ।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO2-इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थितियों से छात्र अवगत होंगे।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO6-इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि के परिचय से छात्रों में व्यक्तिगतऔरव्यावसायिकक्षमताका विकास होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO3-इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होंगी।

CO5-इतिहास पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होकर वेस्व-निर्देश से जीवनभरसीखेंगे।

CO7-आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्र परिचित होंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO3-इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होगी।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ, हिंदी के विद्वान आदि के परिचय से छात्रों में शोध की दृष्टि विकस होकर वे हर समस्या कासमाधान ढूढेंगे।

******

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]SEMISTER – V

Major – हिंदी भाषा का विकास

PAPER CODE :HIN-302-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: हिंदी भाषा का विकास
Course Code	: HIN-302-MJM
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Objectives):

1 छात्रों को भाषा की परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विशेषताओं की जानकारी देना।

2. छात्रों को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना।

3. छात्रों को हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।

4. हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

5. छात्रों को हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।

6. भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।

7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

B) अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

CO1-छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होगी।

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशमें बोली जाने वाली बोलियों से छात्र परिचित होंगे।

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से छात्र परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता से अवगत होंगे।

CO6-देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता को समझेंगे।

CO7-छात्रों में भाषा के प्रति संशोधन वृत्ति विकसित होगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. हिंदी की बोलियों का भौगोलिक रेखांकन एवं आलेख तैयार करना।
3. दृकसंगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग। / श्राव्य माध्यमो-
4 भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रात्यक्षिको की सहायता।
5. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
6. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
7. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम
हिंदी भाषा का विकास

इकाई नं.1 :1. भाषा की परिभाषाएँ, स्वरूप तथा भाषा की विषिताएँ। 20 तासिकाएं

2. भाषा के विविध रूप – बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा,संचार भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा आदि का सामान्य परिचय।

इकाई नं.2 :3. हिंदी बोलियों का वर्गीकरण - पूर्वी, पश्चिमी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी बोलियों का सामान्य परिचय। 20 तासिकाएं

हिंदी की उपबोलियों का सामान्य परिचय - ब्रज, अवधी, खड़ीबोली और भोजपूरी (भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित।)

इकाई नं.3 :4. हिंदी का शब्द भंडार - तत्सम,तदभव, देशज, विदेशी आदि शब्दों का परिचय। 20 तासिकाएं

5. लिपि विज्ञान - नागरी लिपि का सामान्य परिचय, नागरी लिपि की विशेषताएँ। नागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता

संदर्भ ग्रंथ -

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान - डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र - डॉ कपिलदेव दविवेदी, विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ ओमप्रका शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
6. हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉजगत पाल शर्मा ., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002

****

Choice Based Credit System Syllabus (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem- V) **Subject:** HINDI

Course: Theory **Course Code:**HIN-302-MJM

Tittle of Course : हिंदी भाषा का विकास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1			3							
CO 2			2							
CO 3		3			3	3			2	
CO 4					3	3				
CO 5						3	3			
CO 6				3						
CO 7	3							3		2

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल:

CO7-छात्रों में भाषा अध्ययन से अनुसंधान संबंधित कौशल विकसित होकर संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशमें बोली जानेवाली बोलियों से छात्र परिचित होकर उनमें नैतिकताका विकास होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO1-छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होकर उनमें सामाजिक क्षमता का विकास होगा।

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशमें बोली जानेवाली बोलियों से छात्र परिचित होकर उनमें नैतिकताका विकास होकर उनमें सामाजिक क्षमता विकसित होंगी।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO6-देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता से अनुशासनात्मक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से समृद्ध होकर छात्र उसका व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से अवगत होकर भाषिक कौशल को विकसित कर अपने आपको समृद्ध कर पाऐंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से समृद्ध होकर छात्र उसका नवीन ज्ञान पाने हेतु प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से अवगत होकर भाषिक कौशल को विकसित कर पाऐंगे।

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता से छात्र जीवनभर सीखेंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता से छात्र जीवनभर सीखेंगे।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO7-छात्रों में भाषा अध्ययन सेअनुसंधान संबंधित कौशल विकसित होकर संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO9:डिज़िटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से समृद्ध होकर छात्र उसका नवीन ज्ञान पाने हेतु प्रयोग करेंगे।

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO7-छात्रों में भाषा अध्ययन सेअनुसंधान संबंधित कौशल विकसित होकर संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

*****

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]SEMISTER – V

Major –हिंदी साहित्य और सिनेमा

PAPER CODE :HIN-303-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: हिंदी साहित्य और सिनेमा
Course Code	: HIN-303-MJM
No. of Lectures	: 30
No. of Credits	: 02

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1.छात्रों को साहित्य की परिभाषाओं का ज्ञान कराना।

2.छात्रों को साहित्य के तत्व, भेद का ज्ञान कराना।

3.छात्रों को सिनेमा की परिभाषा,स्वरूप का परिचय कराना।

4.छात्रों को साहित्य और सिनेमा का महत्त्व के बारे में जानकारी देना।

5.छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं का परिचय देना।

6.छात्रों को साहित्य और सिनेमा की उपयोगिता से परिचित कराना।

7.भारतीय हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त परिचय कराना।

8. छात्रों को कहानियों पर आधारित बनी फिल्मों का रसग्रहण कराना।

9. छात्रों को स्वयं लघु फिल्म निर्माण करने की कला को विकसित करना ।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

1.छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित होगी ।

2.रचनाओं को जानने और अभिव्यक्त करने की समझ बढ़ेगी ।

3. छात्र साहित्य की विविध विधाओं परिचित होंगे ।

4. छात्र साहित्य और सिनेमा की उपयोगिता से परिचित होंगे ।

5. छात्र साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध बता पाएंगे ।

5.छात्रों में सिनेमा की कथा, पटकथा लेखन करने की क्षमता को विकसित होगी ।

6. छात्रों में सिनेमा निर्माण के लिए आवश्यक कौशल विकसित होंगे ।

7.छात्रों को सिनेमा क्षेत्र में उपलब्ध नए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे ।
8. छात्रों में फिल्मों का रसग्रहण करने की क्षमता विकसित होगी ।
9. छात्र स्वयं लघु फिल्म निर्माण करने की कोशिश करेंगे ।

पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य और सिनेमा(HIN-303-MJM)

इकाई नं.1 :साहित्य : स्वरूप विवेचन 10 तासिकाएँ

1.साहित्य की परिभाषा

2.साहित्य के तत्व

3.साहित्य के भेद

2. सिनेमा : स्वरूप विवेचन

1.सिनेमा की परिभाषा

2.सिनेमा के तत्व

3.सिनेमा के प्रकार

इकाई नं.2 :साहित्य, समाज और सिनेमा का महत्व 10 तासिकाएँ

1. साहित्य का महत्व
2.साहित्य और समाज
3. सिनेमा का महत्व
4.सिनेमा और समाज
5. साहित्य, समाज और सिनेमा

इकाई नं.3 :हिंदी कहनियों पर बनी फिल्मों का रसग्रहण 10 तासिकाएँ

1. तिसरी कसम
2. आंधी (कमलेश्वर)
3. रजनीगंधा (मन्नू भंडारी – यही सच है कहानी)

संदर्भ ग्रंथ :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचन्द्र सुमन /योगेन्द्रकुमार मल्लिक
2) साहित्य और समाज - प्रा. मुकेशकुमार कांजिया
3) भारतीय सिनेमा का अन्तकरण - विनोद दास
4) हिंदी साहित्य और सिनेमा - विवेक दुबे
5) हिंदी साहित्य कोश – संपा. धीरेन्द्र वर्मा
6) सिनेमा के बारे में - नसरीन मुन्नी कबीर

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem V) **Subject:** HINDI

Course: Theory **Course Code :** HIN-303-MJM

Tittle of Course :हिंदी साहित्य और सिनेमा

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3							2		
CO 2		3							2	
CO 3										
CO 4				3						
CO 5			2		2	2				
CO 6										1
CO 7							3			
CO 8										
CO9										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-विभिन्नप्रकार की कहानियाँ,कविताएँ,लेख पढ़कर छात्रों को विचार करने के लिए और लिखने के लिए प्रेरित करती है|

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO2-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से लेखन कौशल,सामग्री का चयन करके संवाद कौशल विकसित करके अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता से अपनी संस्कृति और रीति-रिवाजों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करती है और उन्हें समाज की विविधता समझने में मदद करती है|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम से नये विचारों प्रभावित होते हैऔर उनमें अच्छे-बुरे की समझ आती है|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता के माध्यम मे विभिन्न समस्याओं का सामना करनेवाले पात्रों के माध्यम से जीवन का सबक सिखाया जा सकता है| साथ ही समस्याओं का समाधान विकसित करने की क्षमता विकसित की जा सकती है|

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता के माध्यम मे विभिन्न समस्याओं का सामना करनेवाले पात्रों के माध्यम से जीवन का सबक सिखाया जा सकता है| साथ ही समस्याओं का समाधान विकसित करने की क्षमता विकसित की जा सकती है|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO7-हिंदी भाषा समझने के लिए सहयोग और टीम वर्क आवश्यक है, हिंदी में संवाद करने की क्षमता विकसित होगी|

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं अनेक प्रकार के मूल्य होते है,इन मूल्यों का ज्ञान होगा|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :

CO2-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से लेखन कौशल,सामग्री का चयन करके संवाद कौशल विकसित करके अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे|

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO6-छात्रों को हिंदी साक्षात्कार समाज के विशिष्ट वर्ग का परिचय होगा जिससे साहित्यिक समुदाय से जुड़कर साहित्य की सेवा में जुड़ सकते हैं |

*****

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]SEMISTER – V

Major Elective (A) –जनसंचार माध्यम

PAPER CODE :HIN-304-MJE (A)

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Major Elective MJE (A)
Course Name	: जनसंचार माध्यमं
Course Code	: HIN -304-MJE (A)
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1) जनसंचार माध्यम का सामान्य परिचय कराना।
2) जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी को मार्गदर्शन कराना।
3) छात्रों को जनसंचार माध्यम का महत्व बताना।
4) जनसंचार माध्यम के उपयोगी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना।
5) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक जनसंचार माध्यम संबंधी मार्गदर्शन करना।
6) शिक्षार्थी को जनसंचार माध्यम कार्य के लिए योग्य बनाना।
7) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त कराने के लिए मार्गदर्शन करना।

B) अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes) :

CO1- छात्र जनसंचार माध्यमसे परिचित होंगे।

CO2-जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी परिचित होंगे।

CO3- छात्र जनसंचार माध्यम का महत्व समझेंगे।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में जनसंचार माध्यम की आवश्यकता से अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक जनसंचार माध्यम से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को जनसंचार माध्यम कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम
जनसंचार माध्यम
PAPER CODE :HIN -304-MJE(A)

इकाई नं.1: 1. जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप। — 20 तासिकाएं

2. जनसंचार : प्रक्रिया एवं स्वरूप ।

3. जनसंचार माध्यम का महत्व, विशेषताएं ।

इकाई नं.2 : 1. जनसंचार माध्यम के विभिन्न रूप — 20 तासिकाएं

अ) परंपरागत जनसंचार माध्यम ।

आ) आधुनिक जनसंचार माध्यम ।

2. जनसंचार माध्यमों की भाषा ।

इकाई नं.3 : 1. श्राव्य एवं दृक – श्राव्य माध्यम । — 20 तासिकाएं

अ) रेडिओ

आ) दूरदर्शन

इ) सिनेमा

ई) इंटरनेट, मोबाईल आदि ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के

2) मीडिया और जनसंवाद – उदय सहाय / वर्तिका नंदा

3) संस्कृति, जनसंचार और बाजार – नंद भारद्वाज

4) जनसंचार के सामजिक संदर्भ -जबरीमल्ल पारख

******

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem-V) Subject: HINDI

Course: Theory Course Code : HIN -304-MJE(A)

Tittle of Course :जनसंचार माध्यम

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	2									
CO 2										
CO 3										
CO 4							2		3	
CO 5		3		3	3					3
CO 6			3	3						
CO 7						3		3		
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्र संचार के विभिन्न पहलुओं(लिरिक,संगीत,ताल) से परिचित होकर स्वतंत्रता से विचार करेंगे|

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO5-छात्र संचार के विभिन्न प्रकारों से परिचित होकर देशप्रेम, सामाजिक संदेश पहुंचाने का काम करेंगे|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO6-छात्रों में जनसंचार के माध्यम से अपने भाव,विचार और अनुभव को व्यक्त करने की क्षमता विकसित होगी|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक जनसंचार माध्यम से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को जनसंचार माध्यम कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :

CO5-छात्र संचार के विभिन्न प्रकारों से परिचित होकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश पहुंचाने का काम करेंगे|

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO7-छात्र जनसंचार के विभिन्न मध्यामों का आधार लेकर समस्या को सुलझाने का प्रयास करेंगे ।

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO4- छात्र जनसंचार के विभिन्न मध्यामों का आधार लेकर अपने कौशल को सहयोग और टीमवर्क से परिपूर्ण बनायेंगे |

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO7- छात्रो को जनसंचार मे कई तरह के मूल्य सीखने को मिलते हैं| जीवन में संघर्षों का सामना करने के तरीके सीखते हैं|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :

CO4- छात्र जनसंचार के दृक श्राव्य मध्यामों का आधार लेकर डिजिटल और तकनीकी कौशल से अपने आपको परिपूर्ण बनायेंगे |

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO5- छात्र जनसंचार के दृक श्राव्य मध्यामों का आधार लेकर के विभिन्न कला कौशल को सार्वजनिक आयोजनों में शामिल करने में मदद कर सकते हैं|

^^^^^

स्नातक तृतीय वर्ष कलां [TYBA]SEMISTER – V

Major Elective (B) –पत्रकारिता

PAPER CODE :HIN-304-MJE (B)

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Major Elective MJE(B)
Course Name	: पत्रकारिता
Course Code	: HIN -304-MJE (B)
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. पत्रकारिता का छात्रों से सामान्य परिचय कराना।
2.छात्रों को पत्रकारिता का महत्त्व समझाना।
3. छात्रों को पत्रकारिता की प्रवृत्तियोंसे परिचित कराना।
4. पत्रकारिता की विकासयात्रा मे अवगत कराना।
5. छात्रों में पत्रकारिता के प्रतिरूचि विकसित करना।
6. छात्रोंमेंसमाचार की ओरदेखने की दृष्टिविकसितकराना।
7. समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्रों को अवगत कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

CO1- छात्र पत्रकारिता के स्वरूप से परिचितहोंगे।

CO2-छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।

CO3-छात्र पत्रकारिता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

CO4-छात्र पत्रकारिता की विकास यात्रा से अवगत होंगे।

CO5-छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रूचि विकसित होंगी।

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होगी।

CO7-समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम

MAJOR ELECTIVE (B)(MJE)– पत्रकारिता

PAPER CODE :HIN-304-MJE (B)

इकाई नं.1: पत्रकारिता : परिभाषा,स्वरूप एवं संकल्पना 20 तासिकाएं

पत्रकारिता का महत्त्व, पत्रकारिता की विशेषताएं,

पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

इकाई नं.2: पत्रकारिता के प्रकार : मुक्त पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, 20 तासिकाएं

खेल पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता,फ़िल्मी पत्रकारिता,इंटरनेट पत्रकारिता,

शिक्षा पत्रकारिता

इकाई नं.3: समाचारलेखन: परिभाषा,स्वरूप एवं संकल्पना 20 तासिकाएं

समाचार लेखन कला के गुण, समाचार लेखन के सोपान,

समाचार लेखन की पद्धतियां, समाचार की भाषा

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1.हिंदी पत्रकारिता – डॉ. रत्नाकर पाण्डेय

2.हिंदी पत्रकारिता की एतिहासिक भूमिका- रीना भारद्वाज

3. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी

4. पत्रकारिता के मूल सिधांत – नविन चन्द्रगुप्त

5. पत्राकारिता मे मीडिया तक-मनोज कुमार

6. जनसंचार के सामजिक संदर्भ -जबरीमल्ल पारख

7. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

8. समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिकाप्रसाद बाजपेयी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: T.Y.B.A. (Sem-V) **Subject:** HINDI

Course: Theory **Course Code:** HIN-304-MJE (B)

Tittle of Course :पत्रकारिता (B)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2	3				2					
CO 3										
CO 4										
CO 5		3						2		
CO 6		3	3			3	3		3	2
CO 7		2		3						
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-छात्र पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2-छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।

PO2:ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग(Application of knowledge and skills) :

CO5-छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रूचि विकसित होंगी।

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

CO7-समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

PO3:संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO7-समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

PO5 :स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही(Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO2-छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities):

CO5-छात्र पत्रकारिता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

PO9:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO6-छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होकर सामाजिक समस्या को मिलकर सुलझाने में सहायता होगी।

PO10:डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :

CO6- छात्र समाचार के दृक श्राव्य मध्यामों का आधार लेकर के विभिन्न कला कौशल को सार्वजनिक आयोजनों में शामिल करने में मदद कर सकते हैं|

*****

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]SEMISTER – V

Minor –साहित्य तरंग

PAPER CODE :HIN-311-MN

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Minor
Course Name	: साहित्य तरंग
Course Code	: HIN -311-MN
No. of Lectures	:60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1.छात्रों को हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित करना।

2.छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

3. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कवि एवं उनकी कविताओं से अवगत कराना।

4. छात्रों को साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान देना।

5. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।

6. छात्रों को इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित कराना।

7. छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित होंगे।

CO2-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।

CO3-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कवि एवं उनकी कविताओं से अवगत होंगे।

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित होंगे।

CO7- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम

Minor- साहित्य तरंग

PAPER CODE :HIN -311-MN

पाठ्यपुस्तक : साहित्य सौरभ

संपादक :- हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

प्रकाशन : परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई –400002

इकाई नं.1:पाठ्यपुस्तक 'साहित्य सौरभ'में सेनिम्नांकित कविताएँ — 20 तासिकाएं

1) स्वदेश के प्रति – सुभद्राकुमारी चौहान
2) हो गई है पीर – दुष्यंत कुमार
3) पिता के जूते – अशोक वाजपेयी
4) पेड की पुकार – शंभुनाथ सिंह
5) माँ के लिए कविता – कात्यायनी

इकाई नं.2: पाठ्यपुस्तक 'साहित्य सौरभ'में से निम्नांकित कहानियां — 20 तासिकाएं

1) उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2) भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
3) बोलनेवाली औरत – ममता कालिया
4) सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि
5) जंगल का दाह – स्वयंप्रकाश

इकाई नं.3: साहित्येतर पाठ्यक्रम — 20 तासिकाए

1) हिंदी कम्प्युटिंग – यूनिकोड की जानकारी
2) इंटरनेट : एक परिचय
3) हिंदी सॉफ्टवेअर - एक परिचय

संदर्भ ग्रंथ:

1) अच्छी हिंदी कैसे सीखें - डॉ. हरदेव बाहरी
2) हिंदी भाषा शिक्षण – योगेन्द्र जीत,
3) हिंदी उच्चारण और वर्तनी – भगवतीप्रसाद शुक्ल
4) हिंदी शिक्षण – डॉ. उमा मंगल
5) भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
6) प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनयन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
7) हिंदी ध्वनियाँ और उसका शिक्षण – के. के. सुखिया और रामनारायण लाल
8) भाषा की शिक्षा – सीताराम चतुर्वेदी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (SemV) **Subject:** HINDI

Tittle of Course :साहित्य तरंग **Course Code:** HIN -311-MN

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3			3	2					2
CO 2										
CO 3										
CO 4			3					3		
CO 5							3			
CO 6		3							2	
CO 7						3			2	

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्रविभिन्न लेख, कविताएं,कहानियाँ पढ़कर रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है| इसके साथ ही अन्य विचारों को सुनकर और आपसी संवाद से उनकी आलोचनात्मक सोच मजबूत हो सकती है।

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के माध्यम से संचार के विभिन्न कौशल से परिचित होंगे।

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO4-छात्रों को साहित्य के माध्यम से विभिन सांस्कृतियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO1-छात्रविभिन्न लेख, कविताएं,कहानियाँ पढ़कर रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है| इसके साथ ही अन्य विचारों को सुनकर और आपसी संवाद से उनकी आलोचनात्मक सोच मजबूत हो सकती है।

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधा द्वारा पर्यावरण जागरूकता के प्रति सचेत होंगे।

PO6:समस्या समाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO7- छात्रों को इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होकर तकनीकी जानकारी से समस्याएं हल करके उसका समाधान खोजने में मदत मिलेगी|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता को सामुहिक पाठ द्वारा समझकर उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे।

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skill:

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित होंगे।

CO7- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होंगे।

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित होकर सामुदायिक समस्या को चित्रित कर सकते हैं|

****

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]SEMISTER – V

Vocational Skill Course (VSC) –वृतांत लेखन

PAPER CODE :HIN-321-VSC

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: V
Course Type	: Vocational Skill Course (VSC)
Course Name	: वृतांत लेखन
Course Code	: HIN-321-VSC
No. of Lectures	:30
No. of Credits	: 02

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. छात्रों को वृतांत लेखन के अर्थ, स्वरुप एवं सोपानों से परिचित कराना।
2. छात्रों को वृतांत लेखन के गुणों से अवगत कराना।
3. छात्रों को महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह के स्वरुप मे परिचित कराना।
4 छात्रों को महाविद्यालयीन कार्यक्रम जैसे हिंदी दिन,शिक्षक दिवस एवं पारितोषिक वितरण जैसे समारोह के वृतांत लेखन से परिचित कराना।
5. छात्रों को सामाजिक समारोह जैसे- महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती आदि समारोह के वृतांत लेखन से परिचित कराना।
6. छात्रों को विविध प्रतियोगिताएँ एवं प्राकृतिक आपदाएँ जैसे - त्सुनामी, भूकंप एवं बाढ आदि के वृतांत लेखन से परिचित कराना।
7. छात्रों को दुर्घटनाओं मे संबधित जैसे - रेल दुर्घटना, कंपनी में आगजनी, पांच मंजीली इमारत का गिरना आदि के वृतांत लेखन से परिचित कराना।

B) **अपेक्षित परिणाम** (Course Outcomes):

CO1- छात्र वृतांत लेखन के अर्थ, स्वरुप एवं सोपानों से परिचित होंगे।

CO2- छात्र वृतांत लेखन के गुणों से अवगत होंगे।

CO3- छात्र महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह के स्वरुप से परिचित होंगे।

CO4- छात्र महाविद्यालयीन कार्यक्रम जैसे हिंदी दिन,शिक्षक दिवस एवं पारितोषिक वितरण जैसे समारोह के वृतांत लेखन से परिचित होंगे।

CO5- छात्र सामाजिक समारोह जैसे- महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती आदि समारोह के वृतांत लेखन से परिचित होंगे।

CO6- छात्र विविध प्रतियोगिताएँ एवं प्राकृतिक आपदाएँ जैसे - त्सुनामी, भूकंप एवं बाढ आदि के वृतांत लेखन से परिचित होंगे।

CO7- छात्र दुर्घटनाओं से संबधित जैसे - रेल दुर्घटना, कंपनी में आगजनी, पांच मंजीली इमारत का गिरना आदि के वृतांत लेखन से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम

Vocational Skill Course (VSC) – वृतांत लेखन

PAPER CODE : HIN-321-VSC

इकाई नं.1 : वृतांत लेखन 10 तासिकाएं

i) अर्थ, स्वरुप, परिभाषाएवं तत्व
ii) वृतांत लेखन के विविध सोपान
iii) वृतांत लेखन के गुण

इकाई नं.2 : महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह 10 तासिकाएं

i) महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह का स्वरुप
ii) हिंदी दिवस, शिक्षक दिन एवं वार्षिक पारितोषिक वितरण का वृतांत लेखन
iii) महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह का वृतांत लेखन

इकाई नं.3 : विविध विषयों से संबधित वृतांत लेखन 10 तासिकाएं

i) विविध प्रतियोगिताएँ : खेल, वक्तृत्व
ii) प्राकृतिक आपदाएँ : त्सुनामी, भूकंप एवं बाढ
iii) दुर्घटनाओं से संबधित : रेल दुर्घटना, कंपनी में आगजनी, पांच मंजीली इमारत का गिरना आदि

संदर्भ ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप – डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, राकेश शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप – डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem-V) **Subject:** HINDI

Tittle of Course : वृतांत लेखन **Course Code:** HIN-321-VSC

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3			3						
CO 2								3		
CO 3		3				2			3	
CO 4			3				2			3
CO 5			3				3			2
CO 6					3					
CO 7										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1- छात्र वृतांत लेखन के अर्थ, स्वरुप एवं सोपानों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है| इसके साथ ही उनकी आलोचनात्मक सोच भी मजबूत होगी।

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO3- छात्र महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह के स्वरुप से परिचित होकर उनमें इंटरनेट, कॉम्पुटर एवं संचार माध्यम जैसे विभिन्न कौशलों से परिचित होंगे।

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO5- छात्र सामाजिक समारोह जैसे- महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती आदि समारोह के माध्यम से सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्त होगा।

CO4- छात्र महाविद्यालयीन कार्यक्रम जैसे हिंदी दिन,शिक्षक दिवस एवं पारितोषिक वितरण जैसे समारोह के माध्यम से सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्त होगा।

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO1- छात्र वृतांत लेखन के अर्थ, स्वरुप एवं सोपानों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है| इसके साथ ही उनकी आलोचनात्मक सोच भी मजबूत होगी।

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :

CO6- छात्र विविध प्रतियोगिताएँ एवं प्राकृतिक आपदाएँ जैसे - त्सुनामी, भूकंप एवं बाढ आदि घटना से परिचित होकर पर्यावरण जागरूकता के प्रति सचेत होंगे।

PO6:समस्या समाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO3- छात्र महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह के स्वरुप से परिचित होकर उनमें इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होकर तकनीकी जानकारी से समस्याएं हल करके उसका समाधान खोजने में मदत मिलेगी|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO5- छात्र सामाजिक समारोह जैसे- महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती आदि समारोह के माध्यम से एक दुसरे को सहयोग प्राप्त होगा।।

CO4- छात्र महाविद्यालयीन कार्यक्रम जैसे हिंदी दिन,शिक्षक दिवस एवं पारितोषिक वितरण जैसे समारोह के माध्यम से सांस्कृतिक सामुहिक ज्ञान प्राप्त होगा।

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO2- छात्र वृतांत लेखन के गुणों से अवगत होकर उनमें नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skill:

CO3- छात्र महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह के स्वरुप से परिचित होकर उनमें इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होकर तकनीकी जानकारी से समस्याएं हल करके उसका समाधान खोजने में मदत मिलेगी|

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO5- छात्र सामाजिक समारोह जैसे- महात्मा गांधी जयंती, शिवजयंती एवं क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती आदि समारोह के माध्यम से एक दुसरे को सहयोग प्राप्त होगा।

CO4- छात्र महाविद्यालयीन कार्यक्रम जैसे हिंदी दिन,शिक्षक दिवस एवं पारितोषिक वितरण जैसे समारोह के माध्यम से सांस्कृतिक सामुहिक ज्ञान से सामुदायिक जुड़ाव होगा।

******